समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 23 September 2026

CBSE का बड़ा कदम : छात्रों और शिक्षकों के लिए मुफ्त AI बूटकैम्प, सितंबर से होगी शुरुआत

Publisher

Published on 25 Aug 2025

भारत में शिक्षा जगत लगातार डिजिटल और तकनीकी बदलावों के साथ तालमेल बिठाने की कोशिश कर रहा है। इसी कड़ी में **केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE)** ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की है। बोर्ड ने छात्रों और शिक्षकों के लिए **मुफ्त आर्टिफिशियल इंटेलिजेसं (AI) बूटकैम्प** शुरू करने का निर्णय लिया है, जिसकी शुरुआत **सितंबर 2025** से होगी।

यह पहल न केवल छात्रों को **21वीं सदी की तकनीकी स्किल्स** सिखाएगी, बल्कि शिक्षकों को भी नई शिक्षा पद्धतियों से लैस करेगी।

क्यों जरूरी है AI बूटकैम्प ?

आज की दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस केवल टेक्नोलॉजी कंपनियों का विषय नहीं है, बल्कि यह हमारे जीवन के हर क्षेत्र में शामिल हो चुका है।

- हेल्थकेयर, शिक्षा, कृषि, बैंकिंग और ई-कॉमर्स जैसे क्षेत्र तेजी से AI पर निर्भर हो रहे हैं।
- भारत सरकार भी **राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020)** के तहत छात्रों को भविष्य-उन्मुख शिक्षा देने पर जोर दे रही है।
- इस संदर्भ में, CBSE का AI बूटकैम्प छात्रों और शिक्षकों को **AI साक्षरता (AI Literacy)** प्रदान करने में अहम भूमिका निभाएगा।

बूटकैम्प मे क्या सिखाया जाएगा ?

CBSE ने बताया है कि इस बूटकैम्प का पाठ्यक्रम इस तरह तैयार किया गया है कि यह **छात्रों, शिक्षकों और यहां तक कि**

शुरुआती स्तर के प्रतिभागियों के लिए भी उपयोगी हो।

1. **AI की बुनियादी समझ**
    - मशीन लर्निंग, डीप लर्निंग और न्यूरल नेटवर्क जैसी बेसिक अवधारणाएँ।
    - AI का इतिहास और वर्तमान में इसका उपयोग।
2. **AI के वास्तविक जीवन मे उंपयोग**
    - शिक्षा में स्मार्ट क्लासरूम और पर्सनलाइज्ड लर्निंग।
    - स्वास्थ्य क्षेत्र में AI का योगदान।
    - कृषि और वित्तीय क्षेत्र में AI आधारित समाधान।
3. **प्रायोगिक गतिविधियाँ (Hands-on Projects)**
    - डेटा एनालिसिस और विज़ुअलाइजेशन।
    - AI टूल्स का उपयोग करके छोटे-छोटे प्रोजेक्ट्स।
    - चैटबॉट और इमेज रिकग्निशन मॉडल बनाना।
4. **नैतिकता और जिम्मेदारी (Ethics in AI)**
    - AI का जिम्मेदार उपयोग।
    - डेटा प्राइवेसी और साइबर सुरक्षा।

बूटकैम्प कैसे होगा आयोजित ?

- **ऑनलाइन और हाइब्रिड मोड** में बूटकैम्प आयोजित किया जाएगा, ताकि देशभर के छात्र और शिक्षक इसमें भाग ले सकें।
- CBSE स्कूलों को विशेष **लॉगिन पोर्टल** दिया जाएगा।
- हर मॉड्यूल के बाद **क्विज़ और असाइनमेंट्स** होंगे।
- बूटकैम्प सफलतापूर्वक पूरा करने वाले प्रतिभागियों को **ई-सर्टिफिकेट** प्रदान किया जाएगा।

छात्रों और शिक्षकों को लाभ

1. **भविष्य के करियर की तैयारी** – छात्र शुरुआती स्तर पर ही AI की दुनिया से परिचित होंगे, जिससे उन्हें उच्च शिक्षा और करियर विकल्पों में फायदा मिलेगा।
2. **शिक्षकों की क्षमता मे वृंद्धि** – शिक्षक आधुनिक तकनीक से लैस होकर छात्रों को बेहतर तरीके से गाइड कर सकेंगे।
3. **स्कूल स्तर पर नवाचार को बढ़ावा** – इस बूटकैम्प से स्कूलों में इनोवेशन क्लब्स और AI आधारित प्रोजेक्ट्स को बढ़ावा मिलेगा।
4. **वैश्विक अवसरों की राह** – AI स्किल्स से लैस छात्र वैश्विक स्तर पर भी प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे।

CBSE की AI शिक्षा पहल का विस्तार

यह पहली बार नहीं है जब CBSE ने AI को अपने शिक्षा ढांचे में शामिल किया है।

- 2019 में CBSE ने कक्षा 9वीं से 12वीं तक AI को एक वैकल्पिक विषय के रूप में पेश किया था।
- पिछले कुछ वर्षों में CBSE ने कई टेक्नोलॉजी कंपनियों के साथ मिलकर कार्यशालाएँ और ट्रेनिंग प्रोग्राम्स आयोजित किए

हैं।

- लेकिन यह पहली बार है जब **पूरे देश के छात्रों और शिक्षकों के लिए एक राष्ट्रीय स्तर का मुफ्त AI बूटकैम्प** आयोजित किया जा रहा है।

विशेषज्ञों की प्रतिक्रिया

शिक्षा विशेषज्ञों ने इस कदम को अत्यंत सकारात्मक बताया है। उनका मानना है कि:

- यह पहल छात्रों को सिर्फ किताबों तक सीमित नहीं रखेगी, बल्कि उन्हें भविष्य की तकनीकी दुनिया से भी जोड़ देगी।
- शिक्षकों को भी आधुनिक शिक्षण विधियों में निपुण बनाने का अवसर मिलेगा।
- AI की शिक्षा से **रोज़गार के नए अवसर** खुलेंगे और भारत की वैश्विक प्रतिस्पर्धा क्षमता बढ़ेगी।

AI आने वाले वर्षों में शिक्षा, रोजगार और उद्योग की दिशा तय करेगा। CBSE का यह बूटकैम्प न केवल छात्रों को टेक्नोलॉजी से परिचित कराएगा बल्कि उन्हें **नवाचार (Innovation) और शोध (Research)** की ओर भी प्रेरित करेगा।

यदि यह पहल सफल होती है, तो भविष्य में इसे और भी बड़े पैमाने पर लागू किया जा सकता है—जैसे कि **राष्ट्रीय स्तर पर AI लैब्स की स्थापना, AI करिकुलम का अनिवार्य हिस्सा बनाना और स्टार्टअप्स के साथ साझेदारी करना।**

CBSE का यह मुफ्त AI बूटकैम्प शिक्षा जगत में एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। यह छात्रों और शिक्षकों दोनों के लिए एक ऐसा अवसर है, जिससे वे भविष्य की तकनीकी चुनौतियों और अवसरों के लिए तैयार हो सकें।

सितंबर से शुरू हो रही यह पहल साबित करेगी कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था अब केवल पारंपरिक विषयों पर आधारित नहीं है, बल्कि वह **नई तकनीकों और डिजिटल भविष्य की ओर कदम बढ़ा रही है।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Publisher, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.